

उत्तर प्रदेश शासन
उच्च शिक्षा अनुभाग-१
संख्या-५८२ / सत्तर-१-२०११-१६(६२) / २००९टी.सी.
लखनऊ : दिनांक : १४ जुलाई, २०११

कार्यालय-ज्ञाप

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, १९७३ की धारा-२५(२) में प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए श्री राज्यपाल, मान्यवर श्री कांशी राम जी उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ के अन्तरिम एकेडमिक कौसिल का निम्नवत् गठन किए जाने पर अपनी सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

१.	कुलपति, मान्यवर श्री कांशी राम जी उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	अध्यक्ष।
२.	प्रो० सुश्री शहनाज नबी, विभागाध्यक्ष, उर्दू योलकाता यूनिवर्सिटी, कोलकाता।	सदस्य।
३.	प्रो० असलम इस्लाही, अध्यक्ष, सेन्टर फॉर अरेबिक स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।	सदस्य।
४.	प्रो० मो० गफ्फार सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, फारसी, पटना यूनिवर्सिटी, पटना।	सदस्य।
५.	प्रो० अब्दुल बिस्मिल्लाह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।	सदस्य।
६.	प्रो० रेण भारद्वाज, निदेशक, कम्प्रेटिव लिटरेचर, स्कूल आफ हयूमेनिटीज, इन्डिरा गांधी नेशनल ओपेन यूनिवर्सिटी, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली।	सदस्य।
७.	प्रो० मुजाफ्फिल हुसैन, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ।	सदस्य।
८.	प्रो० ए०को० सिंह, निदेशक, गिरि इन्स्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज, अलीगंज, लखनऊ।	सदस्य।
९.	प्रो० अहमद रजा खान, डीन, इतिहास, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली।	सदस्य।
१०.	प्रो० बलराज चौहान, कुलपति, डा० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ।	सदस्य।
११.	प्रो० देवी सिंह, डायरेक्टर, इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (आईआईएम), लखनऊ।	सदस्य।
१२.	प्रो० उबैद सिद्दीकी, डायरेक्टर, अब्दुल जमाल किंदवई सेंटर फार मास कम्यूनिकेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली।	सदस्य।
१३.	प्रो० अनीस अहमद अंसारी, यूनानी पद्धति, तिब्बिया कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।	सदस्य।
१४.	प्रो० शफीका परवीन, निदेशक, डिस्ट्रेंस एजूकेशन विभाग, कश्मीर यूनिवर्सिटी, श्रीनगर (जम्मू कश्मीर)।	सदस्य।
१५.	प्रो० मुहम्मद जाहिद, विभागाध्यक्ष, उर्दू अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।	सदस्य।

२- कुलसचिव, मान्यवर श्री कांशी राम जी उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ उक्त अन्तरिम एकेडमिक कौसिल के सचिव होंगे।

अवनीश कुमार अवस्थी
सचिव।

संख्या-५८२(१) / सत्तर-१-२०११, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- (१)- कुलपति, मान्यवर श्री कांशी राम जी उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- (२)- सबधित सदस्यगण।
- (३)- कुलसचिव, मान्यवर श्री कांशी राम जी उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- (४)- वित्त अधिकारी, मान्यवर श्री कांशी राम जी उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- (५)- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(विमल किशोर गुप्ता)
विशेष सचिव।

१०

मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फारसी विश्वविद्यालय

619, इन्द्रा भवन, लखनऊ

Phones: 0522-2288904, 2288907 Fax: 0522-2288904

E-mail: upuafulucknow@gmail.com

उपस्थिति

मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ, की एकेडमिक काउन्सिल की दिनांक 28.07.2011 को पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित पहली बैठक में उपस्थिति :-

क्र.सं.	नाम / पता	पदनाम	मोबाइल नं०	हस्ताक्षर
1	कुलपति, मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	अध्यक्ष		<i>h</i>
2	प्रो० सुश्री शहनाज नबी, विभागाध्यक्ष उर्दू कोलकाता यूनिवर्सिटी, कोलकाता-73	सदस्य	०९४३११५५ ७९	<i>Shahneen Nabi</i>
3	प्रो० असलम इस्लाही, अध्यक्ष सेन्टर फॉर अरेबिक स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली	सदस्य	०९४३ ०९४१८२९७१६७	
4	प्रो० मो० गफ़ार सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष फारसी, पटना यूनिवर्सिटी, पटना	सदस्य	०९३३४०३८०६४	<i>X</i>
5	प्रो० अब्दुल बिस्मिल्लाह, विभागाध्यक्ष हिन्दी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली	सदस्य	०९४११३०६३३१	<i>M. A.</i>
6	प्रो० रेणु भारद्वाज, निदेशक कम्प्रेटिव लिटरेचर, स्कूल ऑफ ह्यूमनिटीज, इन्द्रा गांधी नेशनल ओपेन यूनिवर्सिटी, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली	सदस्य		
7	प्रो० मुजम्मिल हुसैन, प्रोफेसर अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ	सदस्य	९४५०२२१३५	<i>M. Mumtaz</i>
8	प्रो० ऐकें सिंह, निदेशक गिरी इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, अलीगंज, लखनऊ	सदस्य		
9	प्रो० अहमद रजा खान, डीन इतिहास, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली	सदस्य		
10	प्रो० बलराज चौहान, कुलपति डॉ० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ	सदस्य	९४५३००००७७	<i>B.R.</i>
11	प्रो० देवी सिंह, डायरेक्टर इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आई.आई.एम.), लखनऊ	सदस्य		
12	प्रो० उर्बेद सिद्दीकी, डायरेक्टर अब्दुल जमाल किंदवई सेंटर फॉर मॉस कम्प्यूनिकेशन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली	सदस्य		
13	प्रो० अनीस अहमद अंसारी, यूनानी पद्धति, तिथिया कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़	सदस्य		
14	प्रो० शाफ़ीका परवीन, निदेशक डिस्ट्रेस एजूकेशन विभाग कश्मीर यूनिवर्सिटी, श्रीनगर (जम्मू कश्मीर)	सदस्य	०९७९६३६३३६०	<i>S. Shafiq</i>
15	प्रो० मुहम्मद जाहिद, विभागाध्यक्ष उर्दू अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ कुलसीयद, मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य	०९४९७२०२९६	<i>M. J. Hashim</i>
		सचिव	०९४५२५६७४६	<i>M. J. Hashim</i>

By Courier

मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फारसी विश्वविद्यालय

619, इन्दिरा भवन, लखनऊ

Phones: 0522-2288904, 2288907 Fax: 0522-2288904

E-mail: upuafulucknow@gmail.com

अ०शा० पत्र सं० १८६ / उ०अ०फा०वि० / ४९/१०
दिनांक : १९ अगस्त २०११

प्रिय महोदय/महोदया,

मोरखा 28 जुलाई 2011 को डॉ० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, के कमेटी रूम में मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी, लखनऊ, की एकेडमिक काउन्सिल की पहली मीटिंग श्री अनीस अंसारी, वाइस चांसलर की सदारत में 11:00 बजे सुबह मुनअकिद (आयोजित) हुई। मीटिंग की कार्रवाई आपको इत्तला और ज़रूरी इक़दाम के लिये पेश है।

आपका

मुन्सलिक : मीटिंग की कार्रवाई।

(२०८० राजिंग और काउन्सिल)

विमल किशोर गुप्ता
रजिस्ट्रार

बखिदमत :

लिस्ट मुन्सलिक।

मुन्सलिक
श्री अनीस अंसारी
वाइस चांसलर
२०८० राजिंग और काउन्सिल

मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फ़ारसी विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउन्सिल की पहली मीटिंग मोरखा 28 जुलाई 2011 की रिपोर्ट

मोरखा 28 जुलाई 2011 को सुबह 11 बजे डॉ० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कमेटी रूम में मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ, की एकेडमिक काउन्सिल की पहली मीटिंग मुनअकिद हुई। जनाब अनीस अंसारी, वाइस चांसलर, की सदारत में हुई इस मीटिंग में मुन्दरजाजेल (निम्नलिखित) मेम्बरों ने शिरकत की :—

1. प्रो० शहनाज़ नबी, सदर शोबा उर्दू कोलकत्ता यूनिवर्सिटी, कोलकाता।
2. प्रो० असलम इस्लाही, सदर सेन्टर फॉर अरैबिक स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
3. प्रो० अब्दुल बिस्मिल्लाह, सदर शोबा हिन्दी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
4. प्रो० मुहम्मद मुज़म्मिल, प्रोफेसर इकनामिक्स, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ
5. प्रो० बलराज चौहान, वाइस चांसलर डॉ० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ।
6. प्रो० शफ़ीका परवीन, डायरेक्टर शोबा फासलाती तालीम, कश्मीर यूनिवर्सिटी, श्रीनगर (जम्मू कश्मीर)
7. प्रो० मुहम्मद ज़ाहिद, सदर शोबा उर्दू अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
8. जनाब विमल किशोर गुप्ता, स्पेशल सिक्रेट्री आला तालीम/रजिस्ट्रार, मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फ़ारसी यूनिवर्सिटी, लखनऊ।

बकिया जिन अफसरों ने शिरकत की उनकी फेहरिस्त मुन्सिलिक है।

वाइस चांसलर ने एकेडमिक काउन्सिल के नामज़द और मौजूद मेम्बरों को एकेडमिक काउन्सिल का मेम्बर बनाए जाने पर मुवारकबाद दी और उनका इस्तकबाल किया। प्रो० शहनाज़ नबी ने सभी मेम्बरान की जानिब से हुकूमत उ०प्र० और खासतौर से मोहतरमा मायावती जी वजीर आला उ०प्र० का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने एकेडमिक काउन्सिल में इन मेम्बरों को शामिल किया। वाइस चांसलर ने उम्मीद जाहिर की कि मेम्बरों के नेक मश्वरों से युनिवर्सिटी को कौमी सतह पर आला दर्ज की युनिवर्सिटी बनाने में उनकी मदद मिलती रहेगी।

तफसीली गौर फ़िक्र के बाद एकेडमिक काउन्सिल ने मुन्दरजाजेल अहम फैसले किये—

1. वाइस चांसलर ने अपने खत मोरखा 5 जनवरी 2011 में मुहकमा आला तालीम, हुकूमत उ०प्र०, से दरख्यास्त की थी कि फिलहाल मुन्दरजाजेल 13 डिपार्टमेंट शुल्क करने के लिये तकरीबन 205 लेक्चरर, रीडर, प्रोफेसर के ओहदे मन्त्रजूर किये जायें। इसी के मुताबिक एकेडमिक काउन्सिल तजीबीज

1/1

1/1

करती है कि मुन्द्रजाजेल 13 डिपार्टमेन्ट शुरू करने के लिये हुक्मत उ0प्र0 के जरिये 205 लेक्चरर, रीडर और प्रोफेसर के ओहदे मन्जूर किये जायें :—

1. बी0ए0 (उर्दू अरबी, फारसी, हिन्दी, अंग्रेजी, होम साइंस, जुगराफिया, पॉलिटिकल साइंस, इकनॉमिक्स, हिस्ट्री और फिजिकल एजूकेशन)
 2. बी0 कॉम0
 3. बैचलर इन कम्प्यूटर अपलीकेशन
 4. कानून (3 साल और 5 साल कोर्स)
 5. बी0एड0
 6. मुख्तलिफ हिन्दुस्तानी ज़बानों का तकाबुली मुताला (3 साला कोर्स जिसमें उर्दू अरबी, फारसी, कश्मीरी, पंजाबी, सिन्धी, हिन्दी, संस्कृत, मल्यालम, बंगाली, मराठी और तमिल शामिल हैं।
 7. उर्दू अरबी और फारसी में इन्टरप्रेटर और मुतरज्जिम के दो साला डिप्लोमा कोर्स।
 8. एम0बी0ए0 (2 साला और 4 साला कोर्स)
 9. मॉस कम्प्यूनिकेशन और सहाफत।
 10. टूरिज्म और हॉस्पिटालिटी।
 11. यूनानी और आयुर्वेद में डिग्री।
 12. फासिलाती तालीम और ई-लर्निंग का डिपार्टमेन्ट।
 13. पेशावराना ट्रेनिंग और रिसर्च डिपार्टमेन्ट।
2. यह कोशिश की जाये कि गैर लिसानी (गैर-भाषायी) कोर्सेज जैसे बी0कॉम, एम0बी0ए0, मॉस कम्प्यूनिकेशन, सहाफत और कानून वगैरह में भी तालिब इल्म की पसन्द के मुताबिक उर्दू अरबी या फारसी की तालीम लाज़मी मज़मून के तौर पर दी जाये। इसी तरह दाखिले के वक्त हाई स्कूल सतह (स्तर) की उर्दू अरबी या फारसी की अमली तौर पर लियाकत ज़रूरी करार दी जाये।
3. मुन्द्रजा बाला (उपरोक्त) कोर्सेज के लिये मज़ामीन की नवइयत को ध्यान में रखते हुए स्लेबस हासिल किया गया है जिस पर मन्जूरी दी गई। जिन कोर्सेज के स्लेबस अभी हासिल नहीं हुए हैं या जिन कोर्सेज के स्लेबस में मिम्बरान की राय को मददे नज़र रखते हुए तरमीम करने की ज़रूरत है उन पर आगे की कार्रवाई करने के लिये वाइस चांसलर को इस्तियार दिया गया।
4. इस दरमियान हुक्मत उ0प्र0 ने सूबाई यूनिवर्सिटियों के लिये कई मज़ामीन में कमतरीन मुश्तरक निसाब नाफिज करने की तजवीज भी मन्जूर की है। हुक्मत उ0प्र0 का फैसला आ जाने पर एकेडमिक काउन्सिल को मुनासिब मौक़ पर मुल्तला किया जाये।
5. जहाँ तक दाखिले और इम्तिहान के जाब्तों (नियमों) का तअल्लुक है, फिलहाल लखनऊ यूनिवर्सिटी में नाफिज दाखिले और इम्तिहान के जाब्तों को इस यूनिवर्सिटी में भी नाफिज किया जाये।
6. जहाँ तक मुम्किन हो सैमेस्टर सिस्टम के जरिये तालीम दी जाये।

7. जहां तक मुम्किन हो ऐसे कोर्सेज को तरजीह दी जाये जिनसे फारिंग हो कर तलबा और तालिबात मआशी (आर्थिक) तौर पर खुदकफील (आत्मनिर्भर) हो सकें।

यूनिवर्सिटी की तरक्की रिपोर्ट

वाइस चांसलर ने मैजूद मिम्बरों को यूनिवर्सिटी के सिलसिले में हुई अब तक तरक्की के मुदरजाजेल निकात से वाकिफ कराया :—

इस यूनिवर्सिटी को हुकूमत उ०प्र० ने सरकारी गज़ट में जारी नोटिफिकेशन मोरखा 28 फरवरी 2009 के तहत उ०प्र० उर्दू अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी के नाम से कायम करने का फैसला किया। मोरखा 5 मार्च 2010 को जारी की गई सरकारी गज़ट नोटिफिकेशन के तहत उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटीज़ एक्ट 1973 में तरमीम करके इस यूनिवर्सिटी का नाम रियासती यूनिवर्सिटियों की फेहरिस्त में शामिल किया गया। मोरखा 4 अप्रैल 2011 के गज़ट नोटिफिकेशन के तहत यूनिवर्सिटी का नाम मान्यवर श्री कांशीराम जी उर्दू अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी रखा गया।

हुकूमत उ०प्र० ने जनाब अनीस अंसारी, आई.ए.एस. (रिटायर्ड) साबिक एग्रिकल्चर प्रोडक्शन कमिशनर (APC) को मोरखा 23 अप्रैल 2010 को अवलीन वाइस चांसलर की हैसियत से तकरुरी दी। स्पेशल सिक्रेट्री आला तालीम को यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार का इजाफी काम दिया गया। इस वक्त फाइनेंस आफीसर, डिप्टी रजिस्ट्रार, असिस्टेंट रजिस्ट्रार और आफीसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के ओहदों पर मुतअल्लिका अफसरान काम कर रहे हैं।

यूनिवर्सिटी का कैम्पस सीतापुर-हरदोई रोड बाईपास पर इण्डियन इंस्टीट्यूट ॲफ मैनेजमेन्ट के कैम्पस के करीब वाके (स्थित) है। फिलहाल 30 एकड़ ज़मीन मुह्या की गई है। बाईपास की जानिब तकरीबन 32 एकड़ और दूसरी जानिब तकरीबन 150 एकड़ ज़मीन हासिल करने की अलग से कार्रवाई की जा रही है। उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम तामीर का काम कर रहे हैं। पहले मरहले में 188 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मन्जूर किया गया है जिसमें एकेडमिक ब्लाक, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लाक, गेस्ट हाउस, तलबा व तालिबात के लिये हास्टल, लाइब्रेरी और तालिब इल्मों के लिये कैफेटेरिया, बैंक और पोस्ट आफिस जैसी ज़रूरी सहूलतों की तामीर का काम चल रहा है। हुकूमत उ०प्र० ने अब तक 171 करोड़ रुपये की रकम जारी कर दी है और 17 करोड़ रुपये की बकिया रकम पहली सप्लीमेन्ट्री में मिलने की तवक्को है। दूसरे और तीसरे मरहले में बकिया इमारतों की तामीर की तजीबीज़े हुकूमत उ०प्र० को भेजी जा रही हैं।

2. मोरखा 14 जुलाई 2010 को हुकूमत उ०प्र० के जरिये यूनिवर्सिटी की पहली इक्जीक्यूटिव काउन्सिल की। तशकील की गई जिसमें वाइस चांसलर के अलावा 18 मेम्बर शामिल किये गये। मोरखा 19 अगस्त 2010 को इक्जीक्यूटिव काउन्सिल की पहली मीटिंग डॉ० राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में मुन्अकिद की गई। इस मीटिंग में एक्जीक्यूटिव काउन्सिल ने यूनिवर्सिटी में उर्दू अरबी और फारसी की तालीम के अलावा रोजगार मुह्या कराने के नुक्त-ए-नजर से कानून, सहाफत, इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी, कामर्स, यूनानी और आयुर्वेद तरीक-ए-इलाज, सयाहत, फासिलाती तालीम, पेशावराना तालीम और मुख्तलिफ मजामीन में बी०ए० वगैरह की तालीम शुरू करने की शिफारिश की। यूनिवर्सिटी के मुस्तकबिल का खाका बुनियादी

तौर पर ऐसी यूनिवर्सिटी की शकल में रखा गया है जिससे फारिंग हो कर तालिब इल्मों में मुल्क की मआशी तरक्की में अपना किरदार निभाने की भरपूर सलाहियत भी हो और साथ ही उर्दू अरबी, फारसी और उसकी तहजीब के फ़रोग का काम भी लिया जा सके।

3. हुक्मत उ0प्र0 ने मोरखा 11 मार्च 2011 को यूनिवर्सिटी की पहली फाइनेंस कमेटी की तशकील की जिसमें वाइस चांसलर के अलावा 5 दूसरे मेम्बरान को शामिल किया गया। फाइनेंस कमेटी की पहली मीटिंग मोरखा 18 मार्च 2011 को इन्डिरा भवन, छठी मन्जिल पर वाइस चांसलर के आरजी आफिस में अन्जाम पाई।

4. मोरखा 28 जुलाई 2010 को यूनिवर्सिटी के कैम्पस में स्कूली तालिब इल्मों की मदद से शजरकारी (वृक्षारोपण) का एक बड़ा प्रोग्राम मुन्अकिद किया गया सिसमें तकरीबन 3 हजार पौधे लगाये गये। इस प्रोग्राम में डॉ० राकेशधर त्रिपाठी, इज्जत मआब वज़ीर, आला तालीम, हुक्मत उ0प्र0, मोहतरम नकुल दूबे, इज्जत मआत वज़ीर, शहरी तरकियात, हुक्मत उ0प्र0 और सिक्रेट्री आला तालीम के अलावा दानिशवरों और मुअज्जज शहरियों ने शिरकत की। इस साल भी अगस्त के पहले हफ्ते में शजरकारी का प्रोग्राम करने का इरादा है।

5. मोरखा 25 मार्च 2011 को उर्दू/हिन्दी अदब के फरोग में अमीर खुसरो और कबीर की खिदमात पर पहला एक्स्टेंशन लेक्चर लखनऊ यूनिवर्सिटी के मालविया हाल में मुन्अकिद किया गया जिसे प्रो० मुजीब रिज़वी, साबिक वाइस चांसलर जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने पेश किया। ये खुतबा फ़खरुद्दीन अली अहमद मैमोरियल कमेटी, लखनऊ, के इश्तिराक से मुन्अकिद किया गया। प्रोग्राम में मोहतरम सुखदेव राजभर, इज्जत मआब स्पीकर यू०पी० विधान सभा ने महमाने खुसूसी और डॉ० अमानतुल्लाह, इज्जत मआब वज़ीर होम्योपैथी, मोहतरम अवनीश कुमार अवस्थी, सिक्रेट्री आला तालीम, मोहतरम आर०के० मित्तल, साबिक वेल्फेयर कमिशनर और प्रो० शारिब रुदौलवी ने महमाने जीवकार (विशिष्ट अतिथि) की हैसियत से शिरकत की। इसके अलावा तकरीबन 400 दानिशवरों ने इस तौसीई खुत्बा में शिरकत की। यह तौसीई खुत्बा हर साल मुन्अकिद किया जायेगा। जल्द ही अमीर खुसरो और कबीर के इन्सानी एकदार के फरोग में उनकी खिदमात पर कौमी सेमीनार मुन्अकिद करने का भी इरादा है।

6. मोरखा 4 जून 2011 को इन्डिरा गांधी नेशनल ओपेन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के साथ मेमोराण्डम ऑफ अण्डर-स्टैंडिंग (MOU) पर दस्तख़त किये गये। इससे दोनों यूनिवर्सिटियों के दरमियान पढाई, रिसर्च और ट्रेनिंग वगैरा के मैदान में इग्नू से इश्तिराक और मदद मिलेगी। एम०ओ०य०० के दस्तावेज़ के तबादले के प्रोग्राम में मोहतरम स्वामी प्रसाद मौर्या, इज्जत मआब वज़ीर पंचायतीराज ने महमान खुसूसी और मोहतरम अनीस अहमद खां, इज्जत मआब वज़ीर अकलियती तरकियात और मोहतरमा परवीन सिक्लेयर, प्रोवाइस चांसलर इग्नू ने महमानाने जीवकार की हैसियत से शिरकत की। यह प्रोग्राम नेशनल पी०जी० कालेज के आडिटोरियम में मुन्अकिद हुआ जिसमें तकरीबन 200 दानिशवरों ने हिस्सा लिया।

7. अलमुस्तफा इण्टरनेशनल यूनिवर्सिटी, ईरान, से भी एम०ओ०य०० करने का मामला जेरे गौर है जिस पर मुनासिब वक्त पर कार्रवाई की जायेगी।

—३७—

W

मेम्बरों की राय

एकेडमिक काउन्सिल की मीटिंग में शामिल मेम्बरों ने मुन्दरजाज़ेल राय जाहिर की :-

1. प्रो० मोहम्मद ज़ाहिद

1. मेम्बरों की आमद व रफत (आवागमन) और उनके कथाम के सिलसिले में वसाएल की कमी के बावजूद यूनिवर्सिटी के मुन्तज़िमीन ने जिस खुलूस और मुहब्बत के साथ काम किया है उसके लिये वह और वाइस चांसलर मुबारकबाद के लायक हैं।

2. कुछ यूनिवर्सिटियों का स्लेबस हासिल किया गया है। यह कोशिश की जाये कि हिन्दुस्तान की दूसरी बहुत सी यूनिवर्सिटियों के स्लेबस भी हासिल किये जायें और उन्हें देख कर वाइस चांसलर सब से अच्छे स्लेबस को अपनी सतह पर मुन्तखब कर लें और मन्जूरी दें।

3. स्लेबस जदीदतरीन होना चाहिये और उन कोर्सेज़ को तरजीह दी जाये जिनसे फारिग़ हो कर तलबा और तालिबात बारोज़गार हो सकें। इस सियाक में कम्प्यूटर, मॉस कम्यूनिकेशन, यूनानी और आयुर्वेदिक तरीक़-ए-इलाज वगैरा को तरजीह दी जानी चाहिये।

4. यह अच्छा ख्याल है कि हिन्दुस्तानी ज़बानों का तकाबुली मुताला डिग्री कोर्स की शकल में पढ़ाने का इरादा है। उर्दू वालों को हिन्दुस्तान और बाहर की ज़बानों से रुशनाश कराना अच्छा होगा।

5. स्लेबस के सिलसिले में यूनिवर्सिटी ग्रान्ट्स कमीशन की हिदायतें और करीकुलम डेवेलपमेन्ट रिपोर्ट को भी मददेनज़र रखा जाये।

2. प्रोफेसर मुहम्मद मुज़भिल

1. मेरे ख्याल में जो निसाब रखा गया है वह काफ़ी अच्छा है। बकिया मज़ामीन का निसाब हम लखनऊ यूनिवर्सिटी से हासिल करके मुहैया करा देंगे।

2. लखनऊ यूनिवर्सिटी का एकनामिक्स का स्लेबस काफ़ी अच्छा होता है इसे शामिल किया जाये।

3. वाइस चांसलर को मजाज़ किया जाये कि वह स्लेबस में तरमीम और उसका इन्तिखाब अपनी सतह पर कर सकें।

4. कोर्सेज़ को मरहलावार शुरू किया जाये जैसे बी०ए०, बी०ए३० वगैरह। कोर्सेज़ की तरजीहात तैयार कर ली जायें।

3. प्रोफेसर असलम इस्लाही

1. मुजब्बज़ा कोर्सों के अलावा लाइब्रेरी साइंस के कोर्स को भी शामिल किया जाये तो बेहतर होगा। यह कोर्स मखतूतात (पांडुलिपियाँ) को महफूज़ करने के लिये अल्प जरूरी है। हमारे जो मखतूतात जाया हो रहे हैं उसको महफूज़ करने में इस कोर्स से मदद मिलेगी।

1/2

MV

2. दी जाने वाली तालीम की क्वालिटी पर ध्यान दिया जाये।

3. एकेडमिक काउन्सिल की मीटिंग जल्दी जल्दी बुलाई जायें ताकि स्लेबस को जदीदतर बनाया जा सके।

4. एकेडमिक सेशन जल्दी शुरू किया जाये।

5. ट्रांसलेशन और इन्टरप्रेटर के कोर्स बहुत मुफ़्रीद होते हैं उन्हें तरजीही तौर पर शुरू किया जाये।

6. अरबी के ग्रेजुएट कोर्स में तीसरे साल में जदीद शायरों और मुसन्निफ़ों जैसे ख़लील जिबरान और नजीब महफूज़ वगैरह को शामिल किया जाना चाहिये।

4. प्रोफेसर शहनाज़ नबी

1. निसाब में हर ज़बान में जदीद अदब को भी शामिल किया जाये। इस सियाक में कोलकाता यूनिवर्सिटी का उर्दू ज़बान का निसाब भी गौर से देख लिया जाये।

2. यह बड़ी इन्फ़िरादी हैसियत की यूनिवर्सिटी बनाई गई है और इसे उ०प्र० के बाहर के तलबा और तालिबात के लिये भी मिसाली यूनिवर्सिटी की हैसियत से तरक्की दी जानी चाहिये।

3. इन्टरप्रेटर और ट्रान्सलेटर के कोर्स बहुत अच्छे हैं। न सिर्फ हिन्दुस्तान की बल्कि बाहर की ज़बानों के तर्ज़ुमे का भी इन्तिज़ाम किया जाना चाहिये।

4. प्रो० असलम इस्लाही की मख़तूतात की हिफ़ाज़त के सिलसिले में दी गई राय से मुत्तफ़िक हूं इसके लिये कौमी मख़तूतात मिशन से भी मदद ली जाये।

5. प्रोफेसर शफ़ीका परवीन

1. हिन्दुस्तान की तीन बड़ी ज़बानों को हुकूमत उ०प्र० ने एक साथ फ़रोग देने की जो कोशिश की है वह मुबारकबाद के लायक है। खासतौर से ज़बानों के साथ साथ बारोज़गार बनाने वाले मज़ामीन को तरजीह देना बहुत अच्छी बात है।

2. उ०प्र० जैसी रियासत में उर्दू को फ़रोग दिया जाना चाहिये। इस सियाक में लखनऊ यूनिवर्सिटी का निसाब मरकज़ी हैसियत रखता है। दूसरी यूनिवर्सिटियों के स्लेबस को भी देखना चाहिये।

3. क्लास रूम में तालीम देने के अलावा फासलाती तालीम का मुतबादिल इन्तिज़ाम साथ साथ किया जाना चाहिये। इसके लिये फासिलाती तालीम का मरकज़ कायम किया जाना चाहिये।

6. प्रो० अब्दुल बिस्मिल्लाह

1. सैमेस्टर सिस्टम का तरीका तालीम ज्यादा बेहतर है इस लिये इसे नाफिज किया जाये।

गृहीत

W

2. मॉस कम्प्यूनिकेशन का जो स्लेबस रखा गया है वह किताबी है। जरुरत इस बात की है कि प्रेक्टिकल तालीम भी दी जाये जिसके लिये कैमरे और मल्टी मीडिया के वसाएल का मुहैया करना लाजमी है।

3. हर स्लेबस में अमली इल्म देने के लिये क्रेडिट के कुछ यूनिट शामिल किये जाने चाहिये। अदब की तारीख निसाब में शामिल की जाये खासतौर से फारसी और अरबी ज़बान के निसाब में।

4. स्लेबस में जदीद अदब को शामिल किया जाये खासतौर से हिन्दी, फारसी और अरबी के स्लेबस में जदीद अदब की कमी है।

5. तकाबुली मुताला का डिपार्टमेंट अलग से कायम करना अच्छी शुरूआत है। महात्मा गांधी कौमी हिन्दी इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी वारधा में इस तरह का कोर्स चलाया जा रहा है, उससे मदद लेना चाहिये।

6. इसके अलावा तर्जुमा निगारी का भी अलग शोबा कायम किया जाना चाहिये।

7. मखतूतात की हिफाज़त के लिये हैदराबाद के सालार जंग म्यूज़ियम से मदद ली जानी चाहिये।

8. निसाब में मज़ाह (हयूमर) के बजाये तन्ज़ व मज़ाह (सटायर और हयूमर) शामिल किया जाये।

9. हिन्दी के निसाब में भूषण मुतनाज़े शायर हैं। यह देख लिया जाये कि क्या उन्हें निसाब में रखना ज़रूरी है।

6. प्रो० बलराज चौहान

1. Pedagogy of Instructions को पहले ही से तय कर लिया जाये।

2. कितने कोर्सेज़ पहले शुरू किये जायें इसके लिये मौजूद सलाहियत को तय कर लिया जाये।

3. जिन इदारों से मन्जूरी या सर्टिफिकेशन हासिल की जानी है जैसे बार काउन्सिल वगैरह उन्हें हासिल कर लिया जाये।

शुक्रिया

जनाब विमल किशोर गुप्ता, स्पेशल सिक्रेट्री आला तालीम/रजिस्ट्रार ने सभी मिम्बरान का शुक्रिया अदा किया।

विमल किशोर गुप्ता

कृष्ण नाथ
मिम्बर वी कार्यालय अधीक्षी
एवं अधीक्षी विकासालय, बहुवर्ष

अनीता अक्तारी

कृष्ण नाथ
मिम्बर वी कार्यालय अधीक्षी
एवं अधीक्षी विकासालय, बहुवर्ष

- جس کے لئے کیمپے اور ملٹی میڈیا کے وسائل کا مہیا کرنا لازمی ہے۔
- ۳۔ سلپیس میں عملی علم دینے کے لئے کریڈٹ کے کچھ یونٹ شامل کئے جانے چاہئیں۔ ادب کی تاریخ بھی نصاب میں شامل کی جائے خاص طور سے فارسی اور عربی زبان کے نصاب میں۔
- ۴۔ سلپیس میں جدید ادب کو شامل کیا جائے خاص طور سے ہندی، فارسی اور عربی کے سلپیس میں جدید ادب کی کمی ہے۔
- ۵۔ تقابلی مطالعہ کا ڈپارٹمنٹ الگ سے قائم کرنا اچھی شروعات ہے۔ مہاتما گاندھی قومی ہندی انگریشی یونیورسٹی وار دھامیں اس طرح کا کورس چلایا جا رہا ہے اس سے مدد لینا چاہئے۔
- ۶۔ اس کے علاوہ ترجمہ نگاری کا بھی الگ شعبہ قائم کیا جانا چاہئے۔
- ۷۔ مخطوطات کی حفاظت کے لئے حیدر آباد کے سالار جنگ میوزیم سے مدد لی جانی چاہئے۔
- ۸۔ نصاب میں مزاح (ہیومر) کے بجائے طنز و مزاح (سٹار اور ہیومر) شامل کیا جائے۔
- ۹۔ ہندی کے نصاب میں بھوشن مقنزع شاعر ہیں۔ یہ دیکھ لیا جائے کہ کیا انہیں نصاب میں رکھنا ضروری ہے۔
- ۱۰۔ پروفیسر بلراج چوہان

۱۔ کو پہلے ہی سے طے کر لیا جائے۔ Pedagogy of Instructions

- ۲۔ کتنے کو رسز پہلے شروع کئے جائیں اس کے لئے موجود صلاحیت کو طے کر لیا جائے۔
- ۳۔ جن اداروں سے منظوری یا سرٹیفیکیشن حاصل کی جانی ہے جیسے بار کو نسل وغیرہ انہیں حاصل کر لیا جائے۔

شکر یہ

جنابِ اعلیٰ کشور گپتا، اسٹیشن سکریٹری اعلیٰ تعلیم / رجسٹر ار نے سبھی ممبران کا شکر یہ ادا کیا۔

می ۱۱۰۷

شیخل کیشوار گुप्ता
کوکل سادی
ماہنامہ شری کاشी رام جی
صہبہ اور بھائیہ-فاسی دیروزیتیا تی، لखنؤ

ایس اس اس

अनील असाधी

कृष्णपति

यान्त्रिक श्री काशीराम जी
दूसरे अंकों द्वितीय तमाम

- ۳۔ اکیڈمک کاؤنسل کی مینگ جلدی جلدی بالائی جائیں تاکہ سلپس کو جدید تر بنایا جاسکے۔
- ۴۔ اکیڈمک سیشن جلدی شروع کیا جائے۔
- ۵۔ ٹرانسلیشن اور انٹر پریٹر کے کورس بہت مفید ہوتے ہیں انہیں ترجیحی طور پر شروع کیا جائے۔
- ۶۔ عربی کے گریجویٹ کورس میں تیرے سال میں جدید شاعروں اور مصنفوں جیسے خلیل جران اور نجیب محفوظ وغیرہ کو شامل کیا جانا چاہئے۔
- ۷۔ پروفیسر شہناز نبی
- ۱۔ انصاب میں ہرزبان میں جدید ادب کو بھی شامل کیا جائے۔ اس سیاق میں کوکاتہ یونیورسٹی کا اردو زبان کا انصاب بھی غور سے دیکھ لیا جائے۔
- ۲۔ یہ بڑی انفرادی حیثیت کی یونیورسٹی بنائی گئی ہے اور اسے اتر پردیش کے باہر کے طلباء و طالبات کے لئے بھی مثالی یونیورسٹی کی حیثیت سے ترقی دی جانی چاہئے۔
- ۳۔ انٹر پریٹر اور ٹرانسلیٹر کے کورس بہت اچھے ہیں۔ نہ صرف ہندوستان کی بلکہ باہر کی زبانوں کے ترجمے کا بھی انتظام کیا جانا چاہئے۔
- ۴۔ پروفیسر اسلام اصلاحی کی مخطوطات کی حفاظت کے سلسلے میں دی گئی رائے سے متفق ہوں اس کے لئے قومی مخطوطات مشن سے بھی مدد لی جائے۔
- ۵۔ پروفیسر شفیقہ پروین
- ۱۔ ہندوستان کی تین بڑی زبانوں کو حکومت اتر پردیش نے ایک ساتھ فروغ دینے کی جو کوشش کی ہے وہ مبارک باد کے لائق ہے۔ خاص طور سے زبانوں کے ساتھ ساتھ باروزگار بنانے والے مضامین کو ترجیح دینا بہت اچھی بات ہے۔
- ۲۔ اتر پردیش جیسی ریاست میں اردو کو فروغ دیا جانا چاہئے۔ اس سیاق میں لکھنؤ یونیورسٹی کا انصاب مرکزی حیثیت رکھتا ہے۔ دوسری یونیورسٹیوں کے سلپس کو بھی دیکھنا چاہئے۔
- ۳۔ کلاس روم میں تعلیم دینے کے علاوہ فاصلاتی تعلیم کا مقابل انتظام ساتھ کیا جانا چاہئے۔ اس کے لئے فاصلاتی تعلیم کا مرکز قائم کیا جانا چاہئے۔
- ۶۔ پروفیسر عبدالحسین
- ۱۔ سیمسٹر سسٹم کا طریقہ تعلیم زیادہ بہتر ہے اس لئے اسے نافذ کیا جائے۔
- ۲۔ ماں کی میلکیت کا جو سلپس رکھا گیا ہے وہ کتابی ہے۔ ضرورت اس بات کی ہے کہ پرکشیکل تعلیم بھی دی جائے

۷۔ المصطفی انٹرنسیشنل یونیورسٹی، ایران، سے بھی MOU کرنے کا معاملہ زیرِ غور ہے جس پر مناسب وقت پر کارروائی کی جائے گی۔

ممبروں کی رائے

اکیڈمک کاؤنسل کی مینگ میں شامل ممبروں نے مندرجہ ذیل رائے ظاہر کی:-

۱۔ پروفیسر محمد زاہد

۱۔ ممبروں کی آمد و رفت اور ان کے قیام کے سلسلے میں وسائل کی کمی کے باوجود یونیورسٹی کے منتظمین نے جس خلوص اور محبت کے ساتھ کام کیا ہے اس کے لئے وہ اور وائس چانسلر مبارک باد کے لاٹ ہیں۔

۲۔ کچھ یونیورسٹیوں کا سلپیس حاصل کیا گیا ہے۔ یو شش کی جائے کہ ہندوستان کی دوسری بہت سی یونیورسٹیوں کے سلپیس بھی حاصل کئے جائیں اور انہیں دیکھ کر وائس چانسلر سب سے اچھے سلپیس کو اپنی سطح پر منتخب کر لیں اور عظوری دیں۔

۳۔ سلپیس جدید ترین ہونا چاہئے اور ان کو رسن کو ترجیح دی جائے جن سے فارغ ہو کر طباء اور طالبات باروزگار ہو سکیں۔ اس سیاق میں کمپیوٹر، ماس کمپیوٹریشن، یونافی اور آیورودیک طریقہ علاج وغیرہ کو ترجیح دی جانی چاہئے۔

۴۔ یہ اچھا خیال ہے کہ ہندوستانی زبانوں کا تقابلی مطالعہ ڈگری کو رس کی شکل میں پڑھانے کا ارادہ ہے۔ اردو والوں کو ہندوستان اور باہر کی زبانوں سے روشناس کرنا اچھا ہوگا۔

۵۔ سلپیس کے سلسلے میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی ہدایتیں اور کریکٹم ڈی پمنٹ رپورٹ کو بھی مدنظر رکھا جائے۔

۶۔ پروفیسر مریم حسین

۱۔ میرے خیال میں جو نصاب رکھا گیا ہے وہ کافی اچھا ہے۔ بقیہ مضامین کا نصاب ہم لکھنؤ یونیورسٹی سے حاصل کر کے مہیا کر دیں گے۔

۲۔ لکھنؤ یونیورسٹی کا اکنامکس کا سلپیس کافی اچھا ہوتا ہے اسے شامل کیا جائے۔

۳۔ وائس چانسلر کو مجاز کیا جائے کہ وہ سلپیس کی ترمیم اور اس کا انتخاب اپنی سطح پر کر سکیں۔

۴۔ کو رسن کو مرحلہ وار شروع کیا جائے جیسے بی۔ اے، بی۔ ایم وغیرہ۔ کو رسن کی ترجیحات تیار کر لی جائیں۔

۵۔ پروفیسر اسلام اصلاحی

۱۔ مجوزہ کورسوں کے علاوہ لاہوری سائنس کے کورس کو بھی شامل کیا جائے تو بہتر ہوگا۔ یہ کورس مخطوطات کو محفوظ کرنے کے لئے اشد ضروری ہے۔ ہمارے مخطوطات صائم ہو رہے ہیں اس کو محفوظ کرنے میں اس کو رس سے مدد گئی۔

۲۔ دی جانے والی تعلیم کی کوالٹی پر دھیان دیا جائے۔

کمال الحدائق

روزگار مہیا کرنے کے نقطہ نظر سے قانون، صحافت، انفارمیشن لکنالوجی، کامرس، یونانی اور آئیورویڈ طریقہ علاج، سیاحت، فاصلاتی تعلیم، پیشہ و رانہ تعلیم اور مختلف مضامین میں بی۔ اے۔ وغیرہ کی تعلیم شروع کرنے کی سفارش کی۔ یونیورسٹی کے مستقبل کا خاکہ بنیادی طور پر ایسی یونیورسٹی کی شکل میں رکھا گیا ہے جس سے فارغ ہو کر طالب علموں میں ملک کی معاشی ترقی میں اپنا کردار بھانے کی بھرپور صلاحیت بھی ہوا اور ساتھ ہی اردو، عربی، فارسی اور اس کی تہذیب کے فروغ کا کام بھی لیا جاسکے۔

۳۔ حکومت اتر پردیش نے مورخہ ۱۸ مارچ ۲۰۱۴ء کو یونیورسٹی کی پہلی فائنس کمیٹی کی تشکیل کی جس میں واں چانسلر کے علاوہ ۵ دوسرے ممبران کو شامل کیا گیا۔ فائنس کمیٹی کی پہلی میٹنگ مورخہ ۱۸ مارچ ۲۰۱۴ء کو اندرابھون، چھٹی منزل پر واؤس چانسلر کے عارضی آفس میں انعام پائی۔

۴۔ مورخہ ۲۸ جولائی ۲۰۱۴ء کو یونیورسٹی کے کمپس میں اسکولی طالب علموں کی مدد سے شجر کاری کا ایک بڑا پروگرام منعقد کیا گیا جس میں تقریباً ۳ ہزار پودے لگائے گئے۔ اس پروگرام میں ڈاکٹر اکیش دھر تپاٹھی، عزت مآب وزیر اعلیٰ تعلیم حکومت اتر پردیش، محترم نگل ڈوبے، عزت مآب وزیر شہری ترقیات حکومت اتر پردیش اور سکریٹری اعلیٰ تعلیم کے علاوہ دانشوروں اور معزز شہریوں نے شرکت کی۔ اس سال بھی اگست کے پہلے ہفتے میں شجر کاری کا پروگرام کرنے کا ارادہ ہے۔

۵۔ مورخہ ۲۵ مارچ ۲۰۱۴ء کو اردو/ہندی ادب کے فروغ میں امیر خسرو اور کبیر کی خدمات پر پہلا ایکسٹینشن یونیورسٹی کے مالویہ ہال میں منعقد کیا گیا جسے پروفیسر مجید رضوی، سابق واں چانسلر جامعہ ملیہ اسلامیہ، نئی دہلی نے پیش کیا۔ یہ خطبہ فخر الدین علی احمد میموریل کمیٹی، لکھنؤ، کے اشتراک سے منعقد کیا گیا۔ پروگرام میں محترم سکھد یوراج بھر، عزت مآب اسیکر یوپی و دھان سبھانے مہمان خصوصی اور ڈاکٹر امانت اللہ، عزت مآب وزیر ہمو پیٹھی، محترم اونیش کمار اوستھی، سکریٹری اعلیٰ تعلیم، محترم آر۔ کے بمقابلہ، سابق ویفیسر کمشنر اور پروفیسر شارب روڈلوی نے مہمانان ذی وقار کی حیثیت سے شرکت کی۔ اس کے علاوہ تقریباً ۲۰۰ دانشوروں نے اس توسمی خطبہ میں شرکت کی۔ یہ توسمی خطبہ ہر سال منعقد کیا جائے گا۔ جلد ہی امیر خسرو اور کبیر کے انسانی اقدار کے فروغ میں ان کی خدمات پر میں الاقوامی سیمینار منعقد کرنے کا بھی ارادہ ہے۔

۶۔ مورخہ ۲۰ جون ۲۰۱۴ء کو اندر را گاندھی نیشنل اونیشن یونیورسٹی، نئی دہلی کے ساتھ میمورنڈم آف انڈرائیشنڈ مگ (MOU) پر دستخط کئے گئے۔ اس سے دونوں یونیورسٹیوں کے درمیان پڑھائی، ریسرچ اور مژنگ وغیرہ کے میدان میں اگوئے اشتراک اور مدد ملے گی۔ MOU کے دستاویز کے تبادلے کے پروگرام میں محترم سوامی پرساو موریہ، عزت مآب وزیر اعلیٰ چنائی راج نے مہمان خصوصی اور محترم انجیس احمد خاں، عزت مآب وزیر اقیمتی ترقیات اور محترم سپر دین سلطھیر، پرو واؤس چانسلر اگوئے مہمانان ذی وقار کی حیثیت سے شرکت کی۔ یہ پروگرام نیشنل پی جی کالج کے آئینوریم میں منعقد ہوا جس میں تقریباً ۲۰۰ دانشوروں نے حصہ لیا۔

- کی تجویر بھی منظور کی ہے۔ حکومت اتر پردیش کا فیصلہ آجائے پر اکینڈمک کاؤنسل کو مناسب موقع پر مطلع کیا جائے۔
- ۵۔ جہاں تک داخلے اور امتحان کے ضابطوں کا تعلق ہے، فی الحال جہاں تک مناسب ہو لکھنؤ یونیورسٹی میں نافذ داخلے اور امتحان کے ضابطوں کو اس یونیورسٹی میں بھی نافذ کیا جائے۔
- ۶۔ جہاں تک ممکن ہو سیمسٹر سسٹم کے ذریعہ تعلیم دی جائے۔
- ۷۔ جہاں تک ممکن ہو ایسے کورسز کو ترجیح دی جائے جن سے فارغ ہو کر طلباء اور طالبات معاشری طور پر خود فیل بن سکیں۔

یونیورسٹی کی ترقی رپورٹ

وائس چانسلر نے موجودہ بولوں کو یونیورسٹی کے سلسلے میں ہوئی اب تک ترقی سے مندرجہ ذیل نکات سے واقف کرایا۔

اس یونیورسٹی کو حکومت اتر پردیش نے سرکاری گزٹ میں جاری نوٹیفیکیشن مورخہ ۲۸ فروری ۲۰۰۴ء کے تحت اتر پردیش اردو، عربی-فارسی یونیورسٹی کے نام سے قائم کرنے کا فیصلہ کیا۔ مورخہ ۵ مارچ ۲۰۰۴ء کو جاری کی گئی سرکاری گزٹ نوٹیفیکیشن کے تحت اتر پردیش یونیورسٹیز ایکٹ ۱۹۷۶ء میں ترمیم کر کے اس یونیورسٹی کا نام ریاستی یونیورسٹیوں کی فہرست میں شامل کیا گیا۔ مورخہ ۲ اپریل ۲۰۰۴ء کے گزٹ نوٹیفیکیشن کے تحت یونیورسٹی کا نام مانیہ و شری کاشی رام جی اردو، عربی-فارسی یونیورسٹی رکھا گیا۔

حکومت اتر پردیش نے جناب امیں انصاری، آئی۔ اے۔ ایس (ریٹائرڈ) سابق ایگریکچر پر وڈ کشن کمشنر (APC) کو مورخہ ۲۳ اپریل ۲۰۰۴ء کو اولین وائس چانسلر کی حیثیت سے تقرری دی۔ اپیشل سکریٹری اعلیٰ تعلیم کو یونیورسٹی کے رجسٹرار کا اضافی کام دیا گیا۔ اس وقت فائزس آفیسر، ڈپٹی رجسٹرار، معاون رجسٹرار اور آفیسر آن اپیشل ڈیوٹی کے عہدوں پر متعلقہ افسران کام کر رہے ہیں۔

یونیورسٹی کا کمپس سیتاپور-ہردوئی روڈ بائی پاس پر انڈین انسٹی ٹیوٹ آف مینجنمنٹ کے کمپس کے قریب واقع ہے۔ فی الحال ۳۰ ایکڑز میں مہیا کی گئی ہے۔ بائی پاس کی جانب تقریباً ۳۲ ایکڑ اور دوسرا جانب تقریباً ۱۵۰ ایکڑز میں حاصل کرنے کی الگ سے کارروائی کی جا رہی ہے۔ اتر پردیش راجکیہ زمان نگم تعمیر کا کام کر رہے ہیں۔ پہلے مرحلے میں ۱۸۸ کروڑ روپے کا پروجیکٹ منظور کیا گیا ہے جس میں اکینڈمک بلاک، ایڈمنیسٹریو بلاک، گیسٹ ہاؤس، طلباء و طالبات کے لئے ہائل، لابوریری اور طالب علموں کے لئے کیفیتی یا، بینک اور پوسٹ آفس جیسی ضروری سہواتوں کی تعمیر کا کام چل رہا ہے۔ حکومت اتر پردیش نے اب تک اے اکروڑ روپے کی رقم جاری کر دی ہے اور اے اکروڑ کی بقیہ رقم پہلی سالیمنتری میں مٹکی توقع ہے۔ دوسرا اور تیسرا مرحلے میں بقیہ عمارتوں کی تعمیر کی تجویز یہ حکومت اتر پردیش کو تجھی جا رہی ہے۔

۲۔ مورخہ ۱۲ جولائی ۲۰۰۴ء کو حکومت اتر پردیش کے ذریعہ یونیورسٹی کی پہلی ایکڈمیٹیو کاؤنسل کی تکمیل کی گئی جس میں وائس چانسلر کے علاوہ ۱۸ امیر شامل کئے گئے۔ مورخہ ۱۹ اگست ۲۰۰۴ء کو ایکڈمیٹیو کاؤنسل کی پہلی مینگ ڈائیکٹر ام منور احمد بیہا نیشنل لائی یونیورسٹی میں منعقد کی گئی۔ اس مینگ میں ایکڈمیٹیو کاؤنسل نے یونیورسٹی میں اردو، عربی اور فارسی کی تعلیم کے مطابق

مطابق اکیڈمک کاؤنسل تجویز کرتی ہے کہ مندرجہ ذیل ۱۳ ڈپارٹمنٹ شروع کرنے کے لئے حکومت اتر پردیش کے ذریعہ ۲۰۵۵ لکھر، ریڈر اور پروفیسر کے عہدے منظور کئے جائیں:-

۱۔ بی. اے۔ (اردو، عربی، فارسی، ہندی، انگریزی، ہوم سائنس، جغرافیہ، پیشکل سائنس، آنکس، ہسٹری اور فزیکل انجینئرنگ)

۲۔ بی. کام

۳۔ پیچلے ان کمپیوٹر پلیکیشن

۴۔ قانون (۳ سالہ اور ۵ سالہ کورس)

۵۔ بی. ایڈ

۶۔ مختلف ہندوستانی زبانوں کا تقابی مطالعہ (۳ سالہ کورس جس میں اردو، عربی، فارسی، کشمیری، پنجابی، سندھی، ہندی، سنکریت، ملیالم، بنگالی، مرائھی اور تمثیل شامل ہیں)

۷۔ اردو، عربی اور فارسی میں انٹر پریٹر اور مترجم کے دوسارہ ڈپلومہ کورس

۸۔ ایم. بی. اے. (۲ سالہ اور ۳ سالہ کورس)

۹۔ ماس کمپیکیشن اور صحافت

۱۰۔ ٹورزم اور ہاپپلیٹی

۱۱۔ یونانی اور آیوروپید میں ڈگری

۱۲۔ فاصلاتی تعلیم اور ای لرنگ کاؤنسل ڈپارٹمنٹ

۱۳۔ پیشہ و رانہ ٹریننگ اور ریسرچ کاؤنسل ڈپارٹمنٹ

۱۔ یہ کوشش کی جائے کہ غیر سانی کورسز جیسے بی. کام، ایم. بی. اے، ماس کمپیکیشن، صحافت اور قانون وغیرہ میں بھی طالب علم کی پسند کے مطابق اردو، عربی یا فارسی کی تعلیم لازمی مضمون کے طور پر دی جائے۔ اسی طرح داخلے کے وقت ہائی اسکول سطح کی اردو، عربی یا فارسی کی عملی طور پر لیاقت ضروری قرار دی جائے۔

۲۔ مندرجہ بالا کورسز کے لئے مضامین کی نوعیت کو دھیان میں رکھتے ہوئے سلپس حاصل کیا گیا ہے جس پر منظوری دی گئی۔ جن کورسز کے سلپس ابھی حاصل نہیں ہوئے ہیں یا جن کورسز کے سلپس میں ممبران کی رائے کو مدد نظر رکھتے ہوئے ترمیم کرنے کی ضرورت ہے ان پر آگے کی کارروائی کرنے کے لئے وائس چانسلر کو انتیار دیا گیا۔

۳۔ اس درمیان حکومت اتر پردیش نے صوبائی یونیورسٹیوں کے لئے کمی مضمونوں میں کم ترین مشترک نصاب ہافذ کرنے

مانیہ و رشی کانٹی رام جی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی کی اکیڈمک کاؤنسل کی پہلی

مینگ مورخہ ۲۸ جولائی ۲۰۲۱ء کی رپورٹ

مورخہ ۲۸ جولائی ۲۰۲۱ء کو صبح ۱۱ بجے ڈاکٹر رام منوہر لوہیا یونیورسٹی کے کمیٹی روم میں مانیہ و رشی کانٹی رام جی اردو، عربی - فارسی یونیورسٹی، لکھنؤ، کی اکیڈمک کاؤنسل کی اولین مینگ منعقد ہوئی۔ جناب انس انصاری، وائس چانسلر، کی صدارت میں ہوئی اس مینگ میں مندرجہ ذیل ممبروں نے شرکت کی:-

- پروفیسر شہناز بنی، صدر شعبہ اردو، کوکاتہ یونیورسٹی، کلکتہ
ممبر
 - پروفیسر اسلام اصلاحی، صدر سینٹر فار عربک استڈیز، جواہر لال نہر یونیورسٹی، نئی دہلی
ممبر
 - پروفیسر عبدالسمی اللہ، صدر شعبہ ہندی، جامعہ ملیہ اسلامیہ، نئی دہلی
ممبر
 - پروفیسر مزل حسین، پروفیسر اکنا مکس، لکھنؤ یونیورسٹی، لکھنؤ
ممبر
 - پروفیسر بلال جوہان، وائس چانسلر، ڈاکٹر رام منوہر لوہیا یونیورسٹی، لکھنؤ
ممبر
 - پروفیسر شفیقہ پروین، ڈاکٹر شعبہ فاصلاتی تعلیم، کشمیر یونیورسٹی، سری نگر
ممبر
 - پروفیسر محمد زاہد، صدر شعبہ اردو، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی، علی گڑھ
ممبر
 - جناب ولی کشور گپتا، اپیشن سکریٹری اعلیٰ تعلیم / رجسٹرار
سکریٹری
- بقیہ جن افراد نے شرکت کی ان کی فہرست منسلک ہے۔

وائس چانسلر نے اکیڈمک کاؤنسل کے نامہ اور موجود ممبروں کو اکیڈمک کاؤنسل کا ممبر بنائے جانے پر مبارک باد دی اور ان کا استقبال کیا۔ پروفیسر شہناز بنی نے سبھی ممبران کی جانب سے حکومت اتر پردیش اور خاص طور سے محترمہ میاوتی جی، وزیر اعلیٰ اتر پردیش، کاشکر یہ ادا کیا کہ انہوں نے اکیڈمک کاؤنسل میں ان ممبروں کو شامل کیا۔ وائس چانسلر نے امید ظاہر کی کہ ممبروں کے نیک مشوروں سے یونیورسٹی کو قومی سطح پر اعلیٰ درجے کی یونیورسٹی بنانے میں ان کی مدد ملتی رہے گی۔

تفصیلی غور و فکر کے بعد اکیڈمک کاؤنسل نے مندرجہ ذیل اہم فیصلے کئے:-

- وائس چانسلر نے اپنے خط مورخہ ۵ جنوری ۲۰۲۱ء میں محکمہ اعلیٰ تعلیم، حکومت اتر پردیش، سے درخواست کی تھی کہ فی الحال مندرجہ ذیل ۱۳ ڈپارٹمنٹ شروع کرنے کے لئے تقریباً ۲۰۵ لکھ روپیہ (Assistant Professor)۔
ریڈر (Associate Professor) اور پروفیسر (Professor) کے عہدے منظور کئے جائیں۔ اسی کے

امان